"परिवर्तन का तंत्र"

सामाजिक प्रक्रिया:

एक समाज जिस तेजी से अमेरिका के अंदर पाया गया समाज के रूप में तेजी से बदल रहा है, समाजशास्त्री ने तीन आवश्यक "सामाजिक प्रक्रियाओं" के आधार पर परिवर्तक की भविष्यवाणी करना सबसे आसान पाया। ये प्रक्रियाएं वे कारण हैं जिनके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन होता है। वे खोज, आविष्कार और प्रसार हैं।

खोज:

डिस्कवरी को "उस प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके द्वारा कुछ सीखा या पुनर्व्याख्या की जाती है"। डिस्कवरी लोगों को नई चीज़ों को सीखने के कारण परिवर्तन को प्रभावित करती है जो उनके दृष्टिकोण को बदल सकती है, या खोज के माध्यम से मिली नई जानकारी के आधार पर अपने आप को बेहतर तरीके से बदल सकती है। उदाहरण के लिए, जब शुरुआती खोजकर्ताओं ने समुद्र का पता लगाना शुरू किया, तो उन्होंने पाया कि पृथ्वी समतल नहीं था, बल्कि गोल था। इससे नए नक्शे छपते हैं, साथ ही नए जलमार्ग और व्यापार-मार्ग इस विचार के तहत नए अन्वेषण के कारण विकसित हो रहे हैं कि पृथ्वी के गिरने का कोई "अंत" नहीं था।

Scanned with CamScanner

IInvention:

आविष्कार "पहले से मौजूद वस्तुओं या प्रक्रियाओं से कुछ नया बनाने का है"। आविष्कार समाज को नई वस्तुओं और विचारों के साथ प्रदान करता है जो आसान, अधिक कुशल प्रक्रियाओं में विकसित होते रहते हैं। उदाहरण के लिए, जब हवाई जहाज का आविष्कार किया गया था, तो यह तेजी से परिवहन, और अंतरिक्ष की खोज का नेतृत्व करता है। आविष्कार इस बात के संकेतक के रूप में कार्य करते हैं कि अयस्क के विद्यमान होने के कारण कोई समाज कितनी तेजी से बदलेगा , फिर THOSE आविष्कारों से और अधिक आविष्कार विकसित किए जा सकते हैं। **प्रसार:**

प्रसार को "एक संस्कृति या समाज द्वारा किसी अन्य संस्कृति या समाज से उधार लेने की प्रक्रिया" के रूप में परिभाषित किया गया है। प्रसार व्यापक रूप से उस संपर्क से प्रभावित होता है जो एक समाज दूसरे के साथ होता है; जितना अधिक अंत:क्रियात्मक समाज होगा, उतनी ही आसानी से उनकी संस्कृतियों का खून बहने लगेगा। बेशक, एक संस्कृति के एक तत्व को अपनाए जाने से पहले दूसरे के जीवन और गतिविधियों के साथ अच्छी तरह से मिश्रण करना पड़ता है। अमेरिका के भीतर कई बार प्रसार हुआ है, जैसे कि जब अंग्रेजी वासियों ने मूल अमेरिकियों से नए रोपण और कटाई के तरीके विकसित किए; अमेरिकी मूल-निवासियों की संस्कृति ने बसने वालों को

Scanned with CamScanner

जा सकते हैं। **प्रसार:**

प्रसार को "एक संस्कृति या समाज द्वारा किसी अन्य संस्कृति या समाज से उधार लेने की प्रक्रिया" के रूप में परिभाषित किया गया है। प्रसार व्यापक रूप से उस संपर्क से प्रभावित होता है जो एक समाज दूसरे के साथ होता है; जितना अधिक अंत:क्रियात्मक समाज होगा, उतनी ही आसानी से उनकी संस्कृतियों का खून बहने लगेगा। बेशक, एक संस्कृति के एक तत्व को अपनाए जाने से पहले दूसरे के जीवन और गतिविधियों के साथ अच्छी तरह से मिश्रण करना पड़ता है। अमेरिका के भीतर कई बार प्रसार हुआ है, जैसे कि जब अंग्रेजी वासियों ने मूल अमेरिकियों से नए रोपण और कटाई के तरीके विकसित किए; अमेरिकी मूल-निवासियों की संस्कृति ने बसने वालों को जीवित रहने का साधन प्रदान किया, और इसलिए बसने वालों ने आसानी से अपनी संस्कृति को अपनाया।

Scanned with CamScanner

^ सामाजिक परिवर्तन के मुख्य स्रोत

कुछ समाजशास्त्रियों का कहना है कि सामाजिक परिवर्तन के कुछ मुख्य स्रोत हैं। ये इस प्रकार हैं-

- **(1) खोज** (Discovery) : मनुष्य ने अपने ज्ञान एवं अनुभवों के आधार पर अपनी समस्याओं को सुलझाने और एक बेहतर जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत तरह की खोज की है। जैसे शरीर में रक्त संचालन, बहुत सारी बीमारियों के कारणों, खनिजों, खाद्य पदार्थों, पृथ्वी गोल है एवं वह सूर्य की परिक्रमा करती है आदि हजारों किस्म के तथ्यों की मानव ने खोज की, जिनसे उनके भौतिक एवं अभौतिक जीवन में काफी परिवर्तन आया।
- **(2) अविष्कार** (Invention) : विज्ञान और प्रौद्यागिकी के जगत में मनुष्य के आविष्कार इतने अधिक हैं कि उनकी गिनती करना मुश्किल है। आविष्कारों ने मानव समाज में एक युगान्तकारी एवं क्रान्तिकारी परिवर्तन ला दिया है।
- **(3) प्रसार** (Diffusion) : सांस्कृतिक जगत के परिवर्तन में प्रसार का प्रमुख योगदान रहा है। पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण, एवं भूमंडलीकरण जैसी प्रक्रियाओं का मुख्य आधार प्रसार ही रहा है। आधुनिक युग में प्रौद्योगिकी का इतना अधिक विकास हुआ है कि प्रसार की गति बहुत तेज हो गयी है।

Scanned with CamScanner